भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1706

जिसका उत्तर 28 नवंबर, 2019 को दिया जाना है ।

दामोदर वैली कॉरपोरेशन का कार्य

1706. श्रीमती अन्नपुर्णा देवीः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सिंचाई और विद्युत उत्पादन में दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान में डीवीसी के तहत बांधों द्वारा कोडरमा जिले को आपूर्ति की गई विद्युत के उत्पादन का प्रतिशत और सिंचाई हेतु जल की मात्रा कितनी है; और

(ग) डीवीसी के तहत बांधों से कोडरमा जिले को और अधिक सिंचाई हेतु जल और विद्युत आपूर्ति करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (श्री आर. के. सिंह)

(क) से (ग) : बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना (डीआरआईपी) के अंतर्गत, दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) अपने केवल तीन बांधों अर्थात् कोनार, मैथॉन तथा पंचेट (तिलैया बांध को छोड़कर) के पुनर्वास कार्य को कार्यान्वित कर रहा है। इस परियोजना में तीन (03) घटक अर्थात् डीवीसी बांधों का पुनर्वास एवं सुधार, संस्थागत सुदृढ़ीकरण तथा परियोजना प्रबंधन शामिल हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य डीवीसी के संरचनात्मक/असंरचनात्मक भाग की सुरक्षा बढ़ाना और उनका प्रचालनात्मक निष्पादन सुधारना है, ताकि आपदा के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सके। डीवीसी की कुल संस्थापित क्षमता ताप विद्युत के संबंध में 7090 मेगावाट और जल विद्युत के संबंध में 147.2 मेगावाट है। इस समय डीवीसी का क्षमता अभिवृद्धि का कोई कार्यक्रम नहीं है।

कोडरमा जिले में तिलैया जलाशय की सिंचाई क्षमता 24,670 हेक्टेयर मीटर है। तथापि, इस समय, डीवीसी बांधों से कोडरमा जिले को सिंचाई के लिए जल आपूर्ति नहीं की जा रही है क्योंकि डीवीसी को झारखण्ड सरकार की ओर से कोडरमा जिले को सिंचाई जल की आपूर्ति के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। वित्तीय वर्ष 2019-20 (अक्तूबर, 2019 तक) के दौरान, कोडरमा जिले में स्थित तिलैया जल विद्युत स्टेशन (क्षमता 2x2 मेगावाट) से 0.165 एमयू विद्युत की मात्रा का उत्पादन किया गया है। डीवीसी अपने उत्पादन से कोडरमा जिले के हाईटेंशन (एचटी) के उपभोक्ताओं को 48 मेगावाट विद्युत (थर्मल तथा हाइडल) की सीधी आपूर्ति करता है। डीवीसी अपने उत्पादन से झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) को भी 600 मेगावाट विद्युत की आपूर्ति करता है, जो बदले में जेबीवीएनएल कोडरमा जिले सहित झारखंड के उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति करता है।

****